-:प्रेस नोट:-

दिनांक- 11.10.2025

कार्यालय पुलिस अधीक्षक बांदा

❖ **पुलिस उपाधीक्षक श्री पीयूष कुमार पाण्डेय द्वारा थाना अतर्रा पर लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरुक कर उनसे बचने के उपायों के बारे में दी गई जानकारी ।**

विवरण- पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल के निर्देशन में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में साइबर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज दिनांक 11.10.2025 को पुलिस उपाधीक्षक श्री पीयूष कुमार पाण्डेय द्वारा थाना अतर्रा पर लोगों को साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरुक किया गया । इस दौरान नागरिकों को आधुनिक साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । साइबर अपराधों के नवीनतम प्रकार जैसे- ओटीपी फ्रॉड जिसमें ठगों द्वारा कॉल या मैसेज के ज़रिए उपयोगकर्ताओं से ओटीपी लेकर उनके बैंक खातों से पैसे उड़ा लेते हैं। केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी जिसमें फर्जी कॉल्स या लिंक भेजकर उपयोगकर्ताओं से उनके पर्सनल और बैंकिंग डिटेल्स मांगी जाती हैं । यूपीआई स्कैम (UPI Scam): UPI पेमेंट लिंक या QR कोड स्कैन करवाकर खातों से राशि चुरा ली जाती है । सोशल मीडिया हैकिंग जिसमें सोशल मीडिया अकाउंट्स को हैक कर उनसे फर्जी संदेश भेजकर लोगों से पैसे मंगवाए जाते हैं । फर्जी कॉल्स जिसमें खुद को बैंक अधिकारी, पुलिस या किसी प्रतिष्ठित संस्था का प्रतिनिधि बताकर ठगी की जाती है। फिशिंग ईमेल्स (Phishing Emails) जिसमें आकर्षक ऑफर्स या नौकरी के नाम पर ईमेल भेजकर यूजर्स की निजी जानकारी जुटाई जाती है आदि नवीनतम तरिके के साइबर अपराधों के बारें में जानकारी देकर जागरूक किया गया कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक, कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें और बिना सत्यापन के कोई भी जानकारी साझा न करें। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई ।